संपादकीय

कैसे मिटे संदेह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की राफेल खरीद सौदे से जुड़ी बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट आखिर राज्य सभा में पेश कर दी गई। इसमें कहा गया है कि एनडीए शासन में किया गया राफेल सौदा यूपीए सरकार के कार्यकाल में प्रस्तावित सौदे के मुकाबले 2.86 फीसदी सस्ता पड़ा। सरकार इसे अपने लिए क्लीन चिट बता रही है, लेकिन किसी और के लिए उसके इस दावे को स्वीकारना इसे नकारने जितना ही मुश्किल है। याद रहे, बुधवार को राज्यसभा में पेश की गई यह रिपोर्ट वही है, जिसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले में 'संसद की लोकलेखा समिति में प्रस्तुत और स्वीकृत' बता दिया गया था।

कोई अगर सिर्फ यह फैसला पढ़कर बैठा हो तो उसका इस राय पर पहुंचना स्वाभाविक है कि इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सहमति भी बन चुकी होगी। मगर असलियत में यह रिपोर्ट उस फैसले के महीनों बाद आई है और मौजूदा सरकार के अंतिम संसदीय सत्र के आखिरी दिन विपक्ष इस पर हंगामा ही करता रहा। सरकार ने अपनी दी हुई गलत जानकारी की वजह से इस फैसले में आई बुनियादी गड़बड़ी को टाइपिंग की मामूली गलती बता रखा है, जिसे ठीक करने का उसका अनुरोध सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। खुद सुप्रीम कोर्ट इस बारे में क्या सोचता है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। सीएजी की यह रिपोर्ट कुछ मायनों में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले जैसी ही जान पड़ती है। संख्याओं की जगह इसमें अक्षर लिखे नजर आ रहे हैं, क्योंकि 'नो डिस्क्लोजर क्लॉज' के चलते इसमें न तो राफेल की पुरानी कीमतों का उल्लेख किया जा सका है, न नई। ऐसे में अगर हम सीएजी के इस निष्कर्ष से सहमत भी हों कि एनडीए सरकार द्वारा किया गया राफेल सौदा सस्ता पड़ा है, तो अपनी बुद्धि से इस नतीजे तक पहुंचने का कोई तरीका हमारे पास नहीं है।

जाहिर है, सरकार ने यह स्टैंड ले रखा है कि राफेल विमानों की कीमत सार्वजनिक नहीं की जाएगी, इसलिए न तो सुप्रीम कोर्ट का फैसला लोगों को आश्वस्त कर पाया, न ही सीएजी की रिपोर्ट उन्हें संदेहमुक्त कर पाई। यह स्थिति चिंताजनक है। गोपनीयता के प्रावधान ने देश की कई प्रतिष्ठित संस्थाओं की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। सवाल सिर्फ न्यायपालिका और सीएजी का नहीं है। खुद सरकार के जो प्रमुख लोग आज इस सौदे का जोर-शोर से बचाव कर रहे हैं, शायद उन्हें भी नहीं पता कि जहाज कितने में खरीदे जाने थे और कितने में खरीदे गए। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति को हरगिज स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय संसद को यह नीति बनानी चाहिए कि भारत अपने रक्षा सौदे उन देशों की उन्हीं कंपनियों से करेगा, जो इनके गैर-तकनीकी पहलुओं पर गोपनीयता की शर्त न लागू करती हों। खासकर अभी, जब देश के डिफेंस सेक्टर को शत प्रतिशत निजी और विदेशी निवेश के लिए खोला जा चुका है, गोपनीयता का यह घुप्प अंधेरा आगे चलकर भयानक भ्रष्टाचार की गुंजाइश बना सकता है।

55 रुपये जमा कराने पर मिलेगी 3000 मंथली पेंशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, घरेलू कामगारों, रेहड़ी-पटरी, ठेले वालों और सिर-पीठ पर बोझा ढोने वाले मजदूरों तथा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यकर्ताओं को तीन हजार रुपये प्रति माह की पेंशन सुनिश्चित करने वाली केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन' योजना शुक्रवार से औपचारिक रुप से लागू हो जाएगी।केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि हाल में बजट में घोषित की गयी इस योजना से असंगठित

क्षेत्र के तकरीबन 42 करोड़ लोगों को लाभ होगा।

इसके दायरे में घरेलू कामगार, फेरीवाले, मध्यान्ह भोजन कार्यकर्ता, सिर- पीठ पर बोझा ढोने वाले मजदूर, ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर, मोची, कूड़ा कचरा बीनने वाले, धोबी, रिक्शा चालक, खेतिहर मजदूर, चाय बेचने वाले, पान की दुकान वाले, स्वरोजगार रत लोग, निर्माण मजदूर, बीड़ी मजदूर, हस्तकरघा मजदूर, चमड़ा मजदूर तथा बैंड बाजा बजाने वाले, मीडिया क्षेत्र के लोग भी शामिल होंगे। इस योजना में वे सभी लोग शामिल हो सकते हैं जिनकी आय 15 हजार रुपए प्रति माह तक है और 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग में हैं।

इस योजना में शामिल होने वाले लोगों को कम से कम 55 रुपए और अधिकतम 200 रुपए का भुगतान करना होगा और 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 3000 रुपए प्रति माह पेंशन प्राप्त होगी। अंशधारकों से ली जाने की राशि के बराबर राशि सरकार भी जमा कराएगी। यह 'परिवार पेंशन' होगी तथा अंशधारक की मृत्यु के पश्चात् उसके जीवन साथी को 50 प्रतिशत पेंशन मिलेगी। नई पेंशन योजना, कर्मचारी राज्य बीमा निगम और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का अंशधारक कर्मचारी तथा अन्य आयकरदाता लोगों को प्रधानमंत्री श्रमयोगी मान- धन योजना के दायरे में शामिल नहीं किया गया है।

जेट एयरवेज को 588 करोड़ रुपये का घाटा

मुंबई (आरएनएस)। जेट एयरवेज ने चालू वित्त वर्ष की 31 दिसंबर 2018 को खत्म हुई तिमाही में 587.7 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है, जबकि कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 165.25 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था।

कंपनी ने एक बयान में कहा, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आरएएसके (रेवेन्यू पर एवलेबल सीट किलोमीटर) में सुधार दर्ज किया गया, जिसकी वृद्धि दर 2.6 फीसदी रही।

बयान में कहा गया कि मौसमी मांग भी तेज रही और इसके कारण किराया भी तेज रहा।

सैमसंग का गैलेक्सी टैब एक्टिव2 टैबलेट लांच, कीमत 50,990 रुपये

नई दिल्ली (आरएनएस)। सैमसंग ने गुरुवार को टैबलेट श्रेणी में नई पेशकश -जैलेक्सी टैब एक्टिव2 लांच किया, जो मिलिट्री ग्रेड के डिजायन और मजबूती से लैस है और इसकी कीमत 50,990 रुपये रखी गई है। इस डिवाइस में उन्नत टच के अलावा पोगो पिन दिया गया है। पोगो पिन एक डिवाइस है, जो कई डिवाइसों को एक साथ कनेक्ट और चार्ज कर सकता है या फिर बड़ी आसानी से किसी लैपटॉप और कीबोर्ड को डिवाइस से जोड़ सकता है। इसके अलावा इसमें 4,450 एमएएच की रिप्लेसेबल बैटरी, मजबूत एस-पेन, बॉयोमीट्रिक अथॉन्टिकेशन और सैमसंग का सिक्योरिटी प्लेटफार्म -नॉक्स दिया गया है, जो मालवेयर और हैकर्स से संवेदनशील जानकारियों को सुरक्षित रखता है।सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (आईटी और मोबाइल एंटरप्राइज बिजनेस) सुकेश जैन ने कहा, सैमसंग गैलेक्सी टैब एक्टिव2, एक मजबूत डिवाइस है, जिसे आईटी दृष्टिकोण से प्रबंधित करना आसान है।

पेट्रोल, डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल के दाम में सात पैसे जबकि डीजल के दाम में छह से सात पैसे की वृद्धि की गई है। उधर,

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों तेजी का सिलसिला पिछले चार दिनों से जारी है, जिससे आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम में और इजाफा हो सकता है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में शुक्रवार को पेट्रोल के दाम सात पैसे बढ़कर क्रमशः 70.46 रुपये, 72.57 रुपये, 76.10 रुपये और 73.14 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। डीजल के दाम में दिल्ली और कोलकाता में छह पैसे की वृद्धि के बाद क्रमशः 65.73 रुपये और 67.51 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं, जबकि मुंबई और चेन्नई में सात पैसे बढ़कर 68.83 रुपये और 69.44 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली ग्रुप से मांगा पूरा हिसाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। रियल स्टेट क्षेत्र के बड़े कारोबारी आम्रपाली ग्रुप को गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय ने 31 मार्च तक 200 करोड़ रुपए जमा कराने के निर्देश दिए है। बता दें आम्रपाली ग्रुप ने जो अब तक लोन और एडवांस लिया है उसके एवज में कोर्ट ने 200 करोड़ रुपए जमा कराने के आदेश दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने इस मामले में कंपनी की तरफ से हलफनामा मांगा और पूछा कि वह बताये कि अब तक किस

200 करोड़ जमा करने के दिए निर्देश

प्रोजेक्ट में कितने पैसे लगाए गए हैं और किस कंपनी के कौन-कौन डायरेक्टर हैं। अब मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

बता दें, आम्रपाली ग्रुप पर हजारों खरीदारों के फ्लैट नहीं देने का आरोप लग रहा है।

इससे पहले कोर्ट ने अपने आदेश में इस ग्रुप के फाइव स्टार होटल, एफएमसीजी कंपनी, कॉर्पोरेट ऑफिस और मॉल्स को अटैच करने का आदेश दिया है। आम्रपाली ग्रुप का नोएडा और ग्रेटर नोएडा में करीब 170 टावर का प्रोजेक्ट हैं जिसमें करीब 46 हजार खरीददारों ने यहां निवेश किया है।

आस्ट्रेलिया की टीम के साथ आईपीएल से नहीं जुड़ना चाहिए

आईपीएल में रिकी पॉन्टिंग पर बोले शेन वॉर्न

मुंबई (आरएनएस)। महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न ने आईपीएल में रिकी पॉन्टिंग के जुड़ने पर कहा कि उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। वॉर्न ने कहा कि टीम इंडिया के कोच रवि शास्त्री को हितों के टकराव के आधार पर आईपीएल में जुड़ने की अनुमति नहीं है। इसी आधार पर पॉन्टिंग को भी आईपीएल से नहीं जुड़ना चाहिए।

पॉन्टिंग को वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। पॉन्टिंग की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल चुके शेन वॉर्न ने कहा टीम इंडिया के कोच रवि शास्त्री को आईपीएल में जुड़ने का मौका नहीं दिया जाता है। इसके पीछे हितों के टकराव का हवाला दिया जाता है। इसी नियम के तहत पॉन्टिंग को भी आईपीएल में नहीं जुड़ना चाहिए, लेकिन उन्हें इजाजत मिल गई है। पॉन्टिंग आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स की टीम से जुड़े हैं।

पाकिस्तान से अब मैच पर नहीं, युद्ध के मैदान में बात हो : गंभीर

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा जिले में श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर गुरुवार को हुए आत्मघाती हमले से आहत पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि अब पाकिस्तान के साथ टेबल पर नहीं बल्कि युद्ध के मैदान में बात होनी चाहिए। जम्मू एवं कश्मीर में 1989 में आतंकवाद के सिर उठाने के बाद से हुए अब तक के सबसे बड़े आतंकी हमले में एक आत्मघाती हमलवार ने गुरुवार को पुलवामा जिले में श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर अपनी विस्फोटकों से लदी एसयूवी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की बस से टकरा दी और उसमें विस्फोट कर दिया। इस आतंकी हमले में सीआरपीएफ के कम से कम 42 जवान शहीद हुए हैं। गंभीर ने ट्विटर पर लिखा, हां, अलगाववादियों-आतंकियों और पाकिस्तान से बात तो जरूर होनी चाहिए लेकिन यह बात टेबल पर नहीं बल्कि अब युद्ध के मैदान में होनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष: आज आपके तन और मन का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता है। वाणी पर संयम रखना अतिआवश्यक है। बाहर के खान-पान से बचें। ऑफिस में साथ काम करने वालों से आपको लाभ होगा।

वृषभ: शारीरिक व मानसिक रूप से स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज किसी भी कार्य को बेहतर रूप से संपन्न करवाने में सहायक होंगे। आपके लिए कार्य के प्रति एकाग्र होना सरल रहेगा। धन लाभ की संभावना हैं। परिजनों के साथ समय सुखपूर्वक बीतेगा।

मिथुन: आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। परिजनों एवं संतान से अनबन हो सकती है। क्रोध और वाणी पर संयन रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, आंखों में थोड़ी समस्या हो सकती है।

कर्क: आपका दिन आनंद व उल्लास में बीतेगा। व्यापार में लाभ होगा व आय के सोत में बढ़ोतरी हो सकती है। मित्रों से हुई मुलाकात से आनंद का अहसास होगा। विवाह के योग अच्छे हैं।

सिंह: आपके आत्मविश्वास से हर कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो पाएगा। व्यवसाय के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा बढ़ सकती है। प्रमोशन की संभावना है। पिता की संपत्ति से लाभ होगा।

कन्या: आज आपका दिन बहुत शुभ है। धार्मिक कार्य एवं यात्रा के लिए समय अनुकूल है। मित्रों एवं संबंधियों से हुई मुलाकात, आनंददायक रहेगी। स्त्री मित्रों से लाभ होगा।

तुला: ऑपरेशन कराने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। खर्च बढ़ जाने से आर्थिक तंगी अनुभव हो सकता है। वाणी और क्रोध पर संयम रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। नए संबंध अनिष्टकारक हो सकते हैं।

वृश्चिक: आज आप सामान्य दैनिक कार्यों को भुलाकर आमोद-प्रमोद में खोए रह सकते हैं। किसी मनोरंजन स्थल या पर्यटन स्थल पर जाने से मन प्रसन्न होगा। समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

धनु: आज का दिन आपके लिए हर्षोल्लास का रहेगा। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मकर: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। ऑफिस में अधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के साथ मतभेद होने की आशंका है।

कुंभ: आज आपका मन बहुत संवेदनशील रहेगा। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा है। आज के आयोजित हर कार्य अच्छी तरह से संपन्न होंगे।

मीन: आज का दिन अति उत्तम है। आपकी सृजनात्मक शक्ति यों में वृद्धि होगी। वैचारिक दृढ़ता एवं मानसिक स्थिरता के कारण कार्यसफलता में सरलता होगी। जीवन साथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

सफलता की राह का रोड़ा है दुविधा, पहले इसे हराएं

कुछ लोगों का मन बार- बार इधर इधर उधर भटकता रहता है। आप इसे बार-बार मूड बदलना भी कह सकते हैं। माना जाता है कि यह समस्या आत्मविश्वास में कमी के कारण होती है। कई बार यह समस्या इतनी कठिन हो जाती है कि सफलता की राह में बाधा बनकर खड़ी हो जाती है। ऐसे में सफल होने के लिए जरूरी है आप सबसे पहले आप इस दुविधा को हराएं। दुविधा पर काबू पाने में यहां दी गई चार बातें आपकी मदद करेंगी-

1- फैसले पर अडिग रहें

जब आपके पास किसी काम को लेकर एक या एक से अधिक अवसर तों सबसे पहले यह सोचें कि कौन सा ऑप्शन आपके लिए बेहतर है और इसे आप क्यों करना चाहते हैं। इसके बाद आप जिस काम को करें उस पर अफसोस न करें, बल्कि यह सोचे की आपने वह किसी जिसके बारे में फैसला किया चाहे फायदा हो या नुकसान।

2- खुद से सवाल करें

सुविधा होने पर खुद से सवाल करें कि वह किसी काम को क्यों नहीं कर पाएंगे या उसमें क्या समस्या आएगी। इसके बाद जब आपको लगे कि दुविधा का यह डर स्थाई नहीं है तब एकाग्रता और लगन के साथ अपने काम में जुट जाएं।

3- सत्य पर अटल रहें सत्य की राह पर चुनौती से न डरें- यदि कोई काम करने जा रहे हैं और उस आने वाली बाधाओं को सोचकर डर लग रहा है तो यह देखें कि जो आप करने जा रहें वह सत्य और न्यायसंगत है। यदि ऐसा है तो आप राह की बाधाओं से कदापि न डरें।

4- समस्या को लिखें यदि समस्या का समाधान सोचने पर न निकल रहा हो तो आप आगे तो करना चाहते हैं उसके बारे में प्लान बनाएं और उस प्लान को दृढ़ता से अमल करें।

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट: डेल स्टेन ने कपिल देव को पछाड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। साउथ अफ्रीका के स्टार पेसर डेल स्टेन ने गुरुवार को श्री लंका के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट

मैच में एक उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भारतीय दिग्गज और पूर्व कप्तान कपिल देव को पछाड़ा। वह इस लिस्ट में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज स्टेन के इस फॉर्मेट में विकेटों की संख्या 437 हो गई है और वह इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ बराबरी पर हैं। करियर का 92वां टेस्ट मैच खेल रहे स्टेन ने जैसे ही श्री लंका के ओशादा फर्नांडो को एलबीडब्ल्यू आउट किया, उन्होंने कपिल देव को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने पहली पारी में कमाल की गेंदबाजी करते हुए 48 रन देकर 4 विकेट झटके।

बनाइए पनीर कॉर्न कबाब

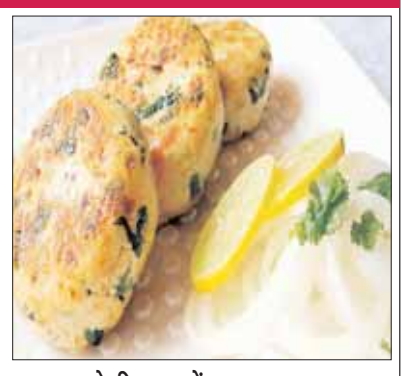

एक नज़र

रेसिपी क्विज़ीन : इंडियन
कितने लोगों के लिए : 2 - 4
समय : 15 से 30 मिनट
मील टाइप : वेज

आवश्यक सामग्री

1 कप पनीर
(कद्दूकस किया हुआ)
1/2 कप कॉर्न
1 प्याज (बारीक कटी हुई)
2 से 3 चम्मच बेसन
1 बड़े चम्मच पोहा
1 बड़े चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर
1 छोटा चम्मच चाट मसाला
नमक स्वादानुसार
तेल जरूरत अनुसार

विधि- - पनीर कबाब बनाने के लिए एक बाउल में पनीर, कॉर्न और प्याज डालकर अच्छे से मिक्स कर लें.
- अब इसमें बेसन, अदरक, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च, जीरा पाउडर, चाट मसाला और नमक मिला कर 5 मिनट के लिए रख दें.
- तय समय बाद पोहा का चूरा मिलाते हुए पूरे मिश्रण को अच्छे मिला लें.
- अब इस मिश्रण से छोटी लोई लेकर हल्के हाथों से दबाते हुए कबाब का आकार दे दें.
- मीडियम आंच पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें.
- तेल के गर्म होते ही कबाब को सुनहरा होने तक दोनों तरफ से फ्राई कर लें. (जब सारे कबाब फ्राई हो जाए तो आंच बंद कर दें.)
- तैयार है पनीर कॉर्न कबाब सॉस के साथ सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-79

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

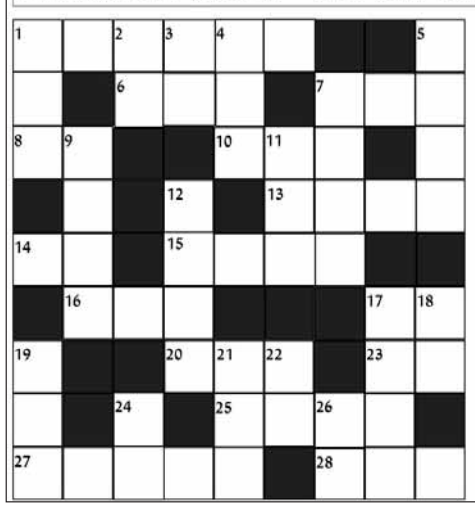

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू-79

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6